Date 21.4.2020

Dr. Meena Devi. R.N. College Pandaul.
Dept of → Psychology
Class → D II (H) / III

CLASSMATE Date 21.4.20 Page 1

Ques → Describe the symptoms etiological of paranoia (स्थिर व्यामोह के लक्षणों एवं कारणों का वर्णन करें।)

Ans → स्थिर व्यामोह को स्थिर भ्रम भी कहा जाता है जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है इस रोग से ग्रसित व्यक्ति स्थाई रूप से भ्रम या व्यामोह का शिकार हो जाता है। इस रोग के लिए Paranoid शब्द का प्रयोग (कालबाम) ने किया। इसके बाद वेस्टफाल क्राफ्ट, इविंग, मेण्डेल, क्रेमर आदि मनोवैज्ञानिकों ने यह बतलाया कि वास्तव में यह रोग बुद्धि रोग ही है।

क्रेपलिन के अनुसार स्थिर व्यामोह वह मनोविकृति है जिसमें स्थिर और व्यवस्थित भ्रम आन्तरिक कारणों से उत्पन्न और विकसित होते हैं। इस रोग के अधिकांश रोगी उच्च बुद्धि युक्त, आत्मनिर्भर और समर्थ होते हैं। इनके तर्क इतने पुष्ट होते हैं कि उनका खण्डन करना कठिन होता है। यह रोग उस समय प्रकट होता है जब रोगी तर्क दे दे के उत्तेजित हो जाता है।

लक्षण → स्थिर व्यामोह अधिकतर प्रौढ़ आयु में होता है। यह रोग अचानक न होकर धीरे धीरे विकसित होता है। प्रभावित व्यक्ति को सामान्य संदेह उत्पन्न होता है। इसके साथ ही भावुकता, चिड़चिड़ापन, अन्तर्मुखी, निराशा, जिद्दीपन, ईर्ष्या, स्वार्थ, कटुता और असमाजिकता आदि रोगी में विकसित होते जाते हैं। अपनी प्रशंसा को ये इतने इच्छुक होते हैं कि यदि कोई व्यक्ति इन्हें महत्व न समझे तो बुरा मान जाते हैं।

Scanned with CamScanner

अहंकार के कारण वे अपनी दोष स्वीकार नहीं करते और इसलिए अपनी असफलता का कारण दूसरों की गलती मानकर कभी अपने में अनेक काल्पनिक गुण मान स्थाई रूप से व्यामोह विकसित कर लेते हैं।
स्थिर व्यामोह के कई प्रकार हैं जो इस प्रकार हैं:

(1) ईर्ष्या व्यामोह :— Delusions of Jealousy
इस प्रकार के व्यामोह वाले व्यक्ति पति या पत्नी पर विश्वासघात का आरोप लगाते हैं, और प्रमाण एकत्रित करने के लिए जासूसी करने लगते हैं।

(2) कानूनी व्यामोह — (Litigious delusion)
इसके रोगी हमेशा कानूनी उलझनों में फंसे रहते हैं। वे समझते हैं कि उनसे कोई गलत काम हो ही नहीं सकता। इनके मुकदमों में कोई तथ्य नहीं रहता फिर भी न्याय पाने के लिए एक कचहरी से दूसरे कचहरी दौड़ते रहते। मुकदमे न जीतने का कारण पूछने पर विपक्ष वालों ने घूस देकर फैसला पक्ष में करवा लिया है। कानूनी स्थिर व्यामोह

(3) धार्मिक स्थिर व्यामोह (Religious paranoia)
इस प्रकार के भ्रम से ग्रसित व्यक्ति अपने को देवदूत, देवी, देवता समझते हैं। वे हमेशा धर्म की बातें सोचते रहते हैं।
उदाहरण — कुछ वर्ष पहले की घटना है। बनारस के पास एक गाँव के किसी व्यक्ति को एक देवी ने स्वप्न में कहा है कि पुत्र वाले अगर तिथि को शीतला के दर्शन में और गंगा के प्रतिपुत्र पीली एक साड़ी नहीं चढ़ायेंगे तो उनके पुत्र मर जाएंगे। फिर हजारों की संख्या में स्त्री-पुरुष की भीड़ गंगा तट पर टूट गयी। क्या यह स्थिर व्यामोह नहीं तो और क्या।

(4) उत्पीड़नात्मक स्थिर व्यामोह (Persecutory) ― इसमें जैसा कि नाम से स्पष्ट है कि रोगी यह विश्वास करता है कि उसके चारों ओर के लोग शत्रु हैं तथा उसको हानि पहुँचाने और जान पर उतारू हैं। जब उसे डा० दवा देता है या कोई खाना खिलाना चाहता है तो यही सोचता है कि उसे विष दिया जा रहा है। जब रोग अधिक बढ़ जाता है तो रोगी बदला लेने की भावना से लोगों पर आक्रमण भी कर देता है।

(5) कामुक स्थिर व्यामोह (Carotomania) → इस stage में रोगी अपने आपको सबसे अधिक Beautiful महसूस करता है। ऐसा लगता है कि उसकी खूबसूरती से आकर्षित हो दुनिया की खूबसूरत युवतियाँ या युवक उससे शादी करना चाहते हैं कभी-2 ऐसे रोगी उनके नाम पत्र भी लिखते हैं। पत्र का जवाब नहीं मिलने पर निराशा न उत्पन्न करके आशावादी बने रहते हैं।

(6) सुधारात्मक व्यामोह (Reformatory delusion) ― इस प्रकार के रोगी अपने को बहुत बड़ा समाज सुधारक मानते हैं। उन्हें ऐसा लगता है कि खतरे में पड़ी दुनिया को सिर्फ वे ही बचा सकते हैं। वे अपने को समाज सुधारक मानते हैं।

(7) स्वास्थ्य के प्रति व्यामोह (― इस प्रकार के रोगी यह महसूस करता है कि उनका स्वास्थ्य दिनानुदिन गिर रहा है। उन्हें कोई रोग लग गया है। अतः वे तरह-2 के डा० के पास जाते हैं। अगर कोई कह देता है कि कुछ नहीं है तो वे उसे अपना दुश्मन समझ लेते हैं। कभी-2 आत्महत्या करने को तैयार हो जाता है।

Scanned with CamScanner